

औसत की अवधारणा

हमें रोज़ ही न जाने कितने तरह के आँकड़ों से रूबरू होना पड़ता है। इन सभी आँकड़ों को हम जिस रूप में सबसे आसान पाते हैं वो है औसत। औसत आय, औसत आयु, औसत वृद्धि, औसत वर्षा आदि।

जब हम औसत की बात करते हैं तो हमारा इशारा आँकड़ों से जुड़े एक ऐसे प्रतिनिधिक माप से होता है जिसे केन्द्र में रखकर हम आँकड़ों की प्रवृत्ति के बारे में एक बेहतर समझ बना सकें। पर यहाँ हम जिस औसत की बात कर रहे हैं वह अपने आप में आँकड़ों की समझ बनाने के लिए काफी नहीं है। सांख्यिकी में औसत की अवधारणा के कई स्वरूप हैं जो सन्दर्भ के अनुरूप चुने जा सकते हैं। आँकड़ों की समझ बनाते हुए यह बात भी ध्यान में रखना ज़रूरी है कि आँकड़े महज़ संख्याएँ नहीं हैं बल्कि किसी खास सन्दर्भ से जुड़े हुए हैं। उन्हें उनके सन्दर्भ से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

बच्चों के फीडबैक से सीखना

जब हम एक टीम के रूप में काम करते हैं तो समय-समय पर एक-दूसरे से फीडबैक लेते और देते रहते हैं और यही हमें बेहतर बनाता है। क्या यही प्रक्रिया हम कक्षाओं में नहीं अपनाते? ज़रूर अपनाते हैं पर यह अक्सर एक-तरफा ही होता है जिसमें शिक्षक अपने विद्यार्थियों को लगातार कुछ-न-कुछ फीडबैक देते रहते हैं। क्या हम विद्यार्थियों से कभी कोई फीडबैक लेते हैं, शायद नहीं। अगर कक्षा को शिक्षक और विद्यार्थियों की एक टीम मानें तो कक्षा के सफल संचालन के लिए विद्यार्थियों के फीडबैक भी चाहिए होंगे। यह जानना भी महत्वपूर्ण होगा कि सफल और सहज शिक्षण के लिए वे हमसे क्या चाहते हैं। जब बच्चों से फीडबैक माँगते हैं तो वास्तव में हम बच्चों की सोच का सम्मान कर रहे होते हैं और रास्ते निकाल रहे होते हैं कि एक-दूसरे के नज़रिए और विचारों से किस प्रकार सीखा जाए।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-42 (मूल अंक-99), जुलाई-अगस्त 2015

इस अंक में

- 4 | आपने लिखा
- 9 | औसत की अवधारणा
विवेक मेहता
- 19 | प्रयोग करें वहाँ भी जहाँ...
किशोर पंवार
- 26 | फफूँद लाए पृथ्वी पर बहार
माधव गाडगिल
- 34 | बहुभाषिता और शिक्षक
अब्दुल कलाम
- 39 | बदलावों की कथा बुनती...
प्रमोद दीक्षित
- 47 | समाचार पत्र और भाषा शिक्षण
मनोहर चमोली
- 53 | कोशिकाओं का मापन
प्रकाश शिवरण और अलका तिवारी
- 59 | बच्चों के फीडबैक से सीखना
कविता कृष्णा
- 67 | अनुवाद के अनुभव
पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा
- 75 | नदी का तीसरा किनारा
जोआओ गुड्मारेस रोसा
- 85 | समुद्र में रहने वाले स्तनधारी जीव...
सवालीराम